

प्रेषक,

ओ०पी०तिवारी,  
उप सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्राविधिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,  
श्रीनगर गढ़वाल।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 29 मार्च, 2011

विषय:- अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत राजकीय पालीटेक्निक नैनीताल के फाउण्ड्री ब्लॉक के निर्माण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-70कैम्प/नि०प्रा०शि०/प्लान-छै:-64/2010-11, दिनांक 06.12.2010 एवं प्रधानाचार्य, राजकीय पालीटेक्निक नैनीताल के पत्र संख्या-169-92/भवन नि०फा०ब्लॉक/2010-11, दिनांक 18.01.2011 के संदर्भ मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत राजकीय पालीटेक्निक, नैनीताल के फाउण्ड्री ब्लॉक के प्रथम चरण के निर्माण कार्य हेतु उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम नैनीताल द्वारा गठित आगणन ₹3.70 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत/अनुमोदित आगणन ₹2.38 लाख (रुपये दो लाख अड़तीस हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये, इतनी ही धनराशि व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन कराना आवश्यक होगा।
- 2- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 3- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 4- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए, तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- 5- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनदेश सं०-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.06 द्वारा निर्गत ओदशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 6- यदि विभिन्न मदों हेतु स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है तो उक्त धनराशि द्वितीय चरण के आगणन में समायोजित की जाय।
- 7- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 8- निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्चेज नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय।

- 9- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए। कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता के संबंध में थर्ड पार्टी चंकिंग की व्यवस्था की जाय जिसके सापेक्ष होने वाला व्यय देय सेन्टेज चार्ज के सापेक्ष वहन किया जायेगा।
- 10- वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम.ओ.यू. हस्तान्तरित कराया जाना अवश्यक सुनिश्चित किया जायेगा।
2. कृपया उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के उपरान्त प्रश्नगत कार्य का विस्तृत आगणन शासन को तत्काल उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत "लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-02-तकनीकी शिक्षा-104-बहुशिल्प-00-आयोजनागत-03-राजकीय बहुधन्धी संस्थाओं के (पुरुष/महिला) भवन निर्माण/सुदृढीकरण-24-वृहत निर्माण कार्य मद" के नामें डाला जायेगा।
4. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-257(P)/XXVII(3)/2010-11 दिनांक 29.03.2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ओ०पी०तिवारी)  
उप सचिव।

**संख्या एवं दिनांक उपरोक्त।**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, नैनीताल।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. कोषाधिकारी, पौड़ी/नैनीताल।
5. परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम नैनीताल।
6. प्रधानाचार्य, राजकीय पॉलीटेक्निक, नैनीताल।
7. वित्त अनुभाग-3/समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ/नियोजन अनुभाग।
8. एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. बजट राजकोषीय प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

ओ०जा० से,  
(सुनील सिंह)  
अनु सचिव।